पंजीकरण सं. आर.एन. 40596/83 डाक पंजी. संख्या-जी-3-डी.एल. (एन.)/084/2021-23 प्रकाशित 16.12.2022 इस अंक का मूल्य 2 रूपये

॥ ओ३म् ॥

युवा उद्घोष

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् (पंजीकृत) का पाक्षिक शंखनाद

Join—http://www.facebook.com/groups/aryayouth/

कार्यालय : आर्य समाज कबीर बस्ती, दिल्ली-110007, चलभाष : 9810117464, 9868051444

दानदाताओं से अपील

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के कार्य व गतिविधियों में सहयोग करने हेतु खाता संख्या 10205148690 स्टेट बैंक आफ इण्डिया, घन्टाघर, दिल्ली–110007, आई. एफ. एस.कोड - SBIN0001280 पर सीधे भेज कर हमें फोन न. 9868051444 पर एस.एम.एस कर दें या 9958889970 पर Paytm कर दें। – अनिल आर्य

वर्ष-39 अंक-14 पौष-2079 दयानन्दाब्द 199 16 दिसम्बर से 31 दिसम्बर 2022 (द्वितीय अंक) कुल पृष्ठ 4 वार्षिक शुल्क 48 रु.
प्रकाशित: 16.12.2022, E-mail : yuva.udghosh1982@gmail.com aryayouthgroup@yahoogroups.com Website : www.aryayuvakparishad.com

आर्य समाज नोएडा के वार्षिकोत्सव का भव्य समापन

जनसंख्या के असुन्तलन से राष्ट्र के समीकरण बदल जाते हैं –राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

सत्यार्थ प्रकाश स्वामी दयानन्द की राष्ट्र को अनुपम देन –सांसद डा. महेश शर्मा

आर्य समाज सेवी श्री अनुपम बक्शी का अभिनन्दन करते सांसद डॉ. महेश शर्मा व श्री आनन्द चौहान, डॉ. जयेन्द्र आचार्य

नोएडा,रविवार 11 दिसम्बर 2022,आर्य समाज सेक्टर 33,नोएडा का वार्षिकोत्सव सोल्लास संपन्न हो गया।वैदिक विद्वान डा.जयेंद्र आचार्य के ब्रह्मत्व में सामवेद पारायण यज्ञ सम्पन्न हुआ। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य का दीर्घ कालीन सेवाओं के लिए सार्वजनिक अभिनंदन किया गया।अनिल आर्य ने अपने संबोधन में कहा कि जनसंख्या के असंतुलन से राष्ट्र के समीकरण भी बदल जाते हैं।उसके बाद संविधान,ध्वज,शिक्षा भी बदल जाती है ऐसे में जनसंख्या नियंत्रण की आज अत्यधिक आवश्यकता है।कश्मीर,केरल, पश्चिम बंगाल आदि की घटनाएं बार बार सावधान कर रही हैं, उन्होंने कहा कि धर्मांतरण से राष्ट्रांतरण हो जाता है।वोट बैंक के आधार पर ही पार्षद,विधायक, सांसद तय होते हैं और उसके आधार पर महापौर,मुख्यमंत्री, प्रधान मंत्री निश्चित होते हैं आज पूरे हिंदू समाज को चेतावनी है कि वह वोट के महत्व को समझते हुए 100 प्रतिशत मतदान करें अन्यथा आपका व राष्ट्र का भविष्य वह तय करेंगे जो 100 प्रतिशत मतदान करते हैं।फिर मत कहना कि अब पछताए क्या होत है,जब चिड़िया चुग गई खेत। मुख्य अतिथि के रूप में पधारे नोएडा के सांसद एवं पूर्व केन्द्रीय मंत्री भारत सरकार डॉ. महेश शर्मा ने गुरुकुल एवं बलिदान सम्मेलन में अपने उद्बोधन में कहा कि वे पिछले 30 वर्षों से आर्य समाज और आर्ष गुरुकुल से जुड़े हुए

एमेठी इन्टरनेशनल स्कूल सैक्टर–44 नोएडा की प्रिन्सीपल श्रीमती रेणू सिंह का अभिनन्दन करते सांसद डॉ. महेश शर्मा साथ में अनिल आर्य, ईश नारंग, आनन्द चौहान, डॉ. शशि प्रभा कुमार, बहन गायत्री मीना व मधु भसीन।

हैं,गुरुकुल हमें स्वयं संस्कारित होकर दूसरों को संस्कारित करना सिखाता है।उन्होंने आगे कहा कि सत्यार्थ प्रकाश स्वामी दयानन्द की राष्ट्र को अनुपम देन है। सुप्रसिद्ध भजनोपदेशक श्री दिनेश पथिक ने देशभक्ति के गीतों से श्रोताओं को झूमा दिया। मुख्य वक्ता डा शशि प्रभा कुमार ने वार्षिकोत्सव की सफलता पर पर बधाई तथा गुरुकुल एवं बलिदान सम्मेलन विषय पर बोलते हुए कहां की गुरुकुल में ही बलिदान की प्रेरणा मिलती है गुरुकुलों से निकले छात्रों ने ही स्वतंत्रता आंदोलन में भाग लिया था तभी यह देश आजाद हुआ था।यहां राष्ट्र के प्रति समर्पित होने का संकल्प कराया जाता है,सत्य की रक्षा के लिए बलिदान की भावना जिसमें है, ईश्वर उन लोगों की सहायता करता है। जो राष्ट्र के लिए सर्वस्व न्योछावर करने को तैयार रहते हैं उन्हें अपना साथी बनाता है।यह सब भावना हमें यज्ञ से आती है। योगाचार्य सत्यम के निर्देशन में गुरुकुल के ब्रह्मचारियों का भव्य व्यायाम प्रदर्शन आकर्षण का केंद्र रहे। डॉ मंजू नारंग द्वारा लिखित पुस्तक अथर्ववेद का बृहद अध्यन का विमोचन डा महेश शर्मा एवं शिक्षाविद आनंद चौहान जी ने किया। इस अवसर पर डॉ. ईश नारंग, टंकारा ट्रस्ट के मन्त्री अजय सहगल , सुधीर गुलाटी देहरादून ने अपने विचार रखे। इस अवसर पर प्रमुख रूप से सर्वश्री प्रिंसिपल रेनू सिंह, मै. जनरल आरकेएस भाटिया, जितेंद्र, अंजुला, कठपालिया, उदल आर्य, रविंद्र सेठ, अनुपम बक्शी, रामभूल आर्य, सीमा जी आशु , मनोहर लाल सरदाना, आदर्श बिश्नोई, नरेंद्र सूद, संतोष लाल, ओमवती गुप्ता ,संध्या शर्मा, योगेश अरोड़ा, सरला अरोड़ा, सुनील जी, दीपक जी, योग शिक्षक आचार्य सत्यम आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम का कुशल संचालन डा. जयेंद्र आचार्य वा मंत्री गायत्री मीना ने किया। प्रधाना मधु भसीन,कैप्टन अशोक गुलाटी ने सभी का आभार व्यक्त किया। विशाल शोभा यात्रा में प्रवीन आर्य, यज्ञ वीर चौहान व दिल्ली प्रदेश के महामंत्री अरुण आर्य के नेतृत्व में केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के युवकों ने भाग लिया।

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् द्वारा कोरोना काल में भी 479वां वेबिनार सम्पन्न

गीता सुगीता कर्तव्या पर गोष्ठी सम्पन्न

गीता मानव, राष्ट्र व समाज के उत्थान के लिए है –डा. कल्पना रस्तोगी

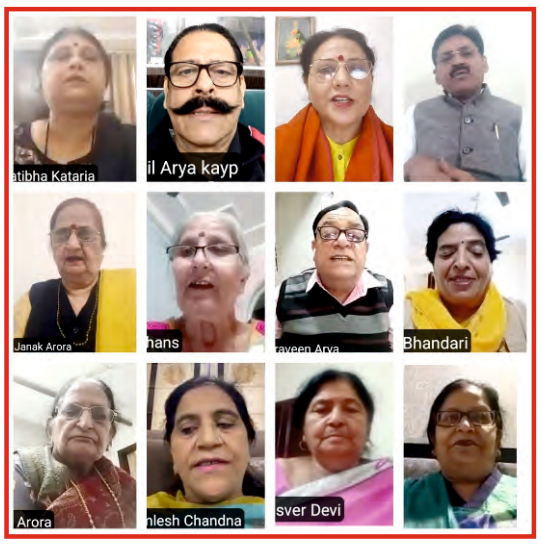

शुक्रवार, 9 दिसम्बर 2022, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में 'गीता सुगीता कर्तव्या' विषय पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया। यह करोना काल से 478 वाँ वेबिनार था। मुख्य वक्ता डा. कल्पना रस्तोगी ने कहा कि गीता जयंती के अवसर पर स्मरण हो आया महर्षि वेदव्यास के इस वाक्य का कि ष्गीता सुगीता कर्तव्याष्, जिसका अर्थ है श्रीकृष्ण द्वारा प्रणीत भगवद गीता का भली प्रकार सुगायन करना चाहिए।यहाँ सुगायन करने का अर्थ मात्र गीता के श्लोको को कंठस्थ करके गाने से नहीं है इसका अर्थ है गीता को भली प्रकार पढ़कर,उसके अर्थ और भावो को समझकर उन पर मनन कर अपने अंतरू करण में धारण कर लेना चाहिए यानि गीता के अनुसार जीवन बिताना चाहिए, तब तो गीता का पठन करने या श्रवण करने से लाभ है अन्यथा नहीं। गीता वेद उपनिषदों का ही सार है इसमें कोई संदेह नहीं।वेद धर्म का आधार हैं,वेद जहाँ एक और ज्ञान के भंडार है तो साथ ही कर्म और उपासना के भी अक्षय स्रोत हैं।इसलिए वेद पूर्ण रूप से धर्म का आधार हैं और इन वेदो के अधिकांश सिद्धांतो को गीता में वर्णित किया गया है।जैसे उदहारण के तौर पर ले तो वर्ण व्यवस्था ले लीजिए,गीता का वर्ण सिद्धांत पूर्ण रूप से गुण कर्म पर आधारित है जन्म पर नहीं। अष्टादश अध्याय में कृष्ण गुण कर्म के आधार पर वर्ण विभाजन का विस्तृत वर्णन करते है।चातुर्वर्ण्यं मया सृष्टं गुणकर्म विभागशरू।संक्षेप में कहें तो भगवान् कृष्ण के द्वारा दिए गए उपदेश वेदो की ही आज्ञा है। गीता में ऐसे महान सन्देश छिपे हैं जो प्रत्येक आयु के लोगों को चाहे वो युवा हो या वृद्ध हों,सभी की समस्याओ का समाधान प्रस्तुत करते हैं।गीता को यथारूप समझने का अवसर मिल जाए तो स्पष्ट हो जाएगा कि वेदो की तरह ही गीता का धर्म भी राष्ट्र उत्थान,समाज उत्थान एवं मानव उत्थान का मार्ग है और जीवन की सभी समस्याओ का समाधान इसमें है।किम कर्तव्यविमूढ़ होने की अवस्था में यह हमारा मार्ग प्रशस्त करती है,इसमें दिए गए उपदेशो का किसी भी धर्म विशेष से कोई लेना देना नहीं है यह तो सर्व जन हिताय है। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि पुरुषार्थ ही इस दुनियां में सब कामना पुरी करता है मन चाहा फल उसने पाया जो आलसी बनकर पड़ा न रहा। मुख्य अतिथि आर्य नेता डालेश त्यागी व अध्यक्ष प्रतिभा कटारिया ने कर्म करने पर जोर दिया कि व्यक्ति को खाली या आलसी नही बैठना चाहिए। राष्ट्रीय मंत्री प्रवीण आर्य ने धन्यवाद ज्ञापित किया। गायिका कुसुम भंडारी,कौशल्या अरोड़ा,जनक अरोड़ा, कमला हंस,कमलेश चांदना,ईश्वर देवी, सुनीता अरोड़ा,कृष्णा पाहुजा आदि के मधुर भजन हुए।

'हमारा दूसरों से व्यवहार कैसा हो' गोष्ठी सम्पन्न

दुर्जन का प्रतिकार आवश्यक है –अतुल सहगल

सोमवार 5 दिसम्बर 2022, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान 'हमारा दूसरों से व्यवहार कैसा हो' विषय पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया।यह करोना काल से 476 वां वेबिनार था। वैदिक प्रवक्ता अतुल सहगल ने कहा कि जैसा व्यवहार हम अपने प्रति दूसरो से चाहते हैं वैसा व्यवहार उनके साथ करें,जैसा हम करेंगे वैसा वापिस लोट के आयेगा।साथ ही उन्होंने कहा कि दुर्जन का प्रतिकार भी समाज की शांति के लिए आवश्यक है।उन्होंने आगे व्यवहार की विस्तृत परिभाषा प्रस्तुत करते हुए कहा कि मन से विचार से, वाणी से भाषण और पांच कर्मेन्द्रियों से कर्म –यह सभी व्यवहार की परिभाषा और परिधि में आते हैं स आर्य समाज के नियम संख्या 7 का उल्लेख करते हुए सही व उपयुक्त व्यवहार की विस्तृत विवेचना की।धर्मानुसार व्यवहार किस प्रकार धर्म के दस लक्षण लिए होते हैं और विभिन्न परिस्थियों में मर्यादित होता है – इसकी चर्चा की।आचार्य चाणक्य के प्रसिद्ध ग्रन्थ चाणक्य नीति से उद्धरण लेते हुए,यथायोग्य व्यवहार के बारे में बताया कि दुष्ट का प्रतिकार न करने वाले अधर्म के भागी माने जायेंगे।जीवन में उन्नति हेतु धर्माचरण और योगाभ्यास –यह दो साधन महर्षि दयानन्द ने बताये।उपयुक्त व्यवहार में दोनों का समावेश है। इस परिपेक्ष्य में यम और नियम के महत्त्व की चर्चा की।उत्तम व्यवहार के लिए चित्तवृत्ति निरोध की आवश्यकता है और इसके लिए मन पर नियंत्रण चाहिए जो कि अभ्यास और वैराग्य से संभव है।अभ्यास का आधार यम के पंचबिंदु हैं।हमें सत्य भाषण के साथ साथ मधुर भाषण भी करना चाहिए।मनुष्य के दैनिक जीवन में उत्तम व्यवहार के कुछ अन्य महत्वपूर्ण बिंदु प्रस्तुत करते हुए वक्ता ने कहा कि उपयुक्त व्यवहार ही शांति का आधार है और इसलिए मनुष्य की सर्वांगीण उन्नति का भी साधन बनता है। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि महर्षि दयानंद सरस्वती ने व्यवहार भानु पुस्तिका लिखी है वह अवश्य पढ़नी चाहिए। परिवार समाज में कुशल व्यवहार की आवश्यकता रहती है तभी व्यक्ति लोकप्रिय हो सकता है। मुख्य अतिथि आर्य नेता ओमप्रकाश यजुर्वेदी व अध्यक्ष अंजू खरबंदा ने भी व्यवहार के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि व्यवहार जीवन की महत्वपूर्ण कड़ी है। राष्ट्रीय मंत्री प्रवीण आर्य ने धन्यवाद ज्ञापित किया ओर उन्होंने श्रीराम मंदिर के बलिदानी वीरों को श्रद्धांजलि अर्पित की गायिका कौशल्या अरोड़ा,रजनी गर्ग,कुसुम भंडारी,सरला बजाज, जनक अरोड़ा,कमला हंस, सुमित्रा गुप्ता, कमलेश चांदना ईश्वर देवी आदि के मधुर भजन हुए।

आचार्य राम चंद्र शर्मा दी बधाई

रविवार 11 दिसम्बर 2022, आर्य समाज के कर्मठ कार्यकर्ता आचार्य राम चंद्र शर्मा की सुपुत्री के विवाह समारोह बृजपुरी, पूर्वी दिल्ली पहुंचकर बधाई देते राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य। साथ में डा. नरेंद्र भारद्वाज, बृहस्पति आर्य है।

श्रद्धांजलि

माता शांति देवी का निधन

व्यास आश्रम हरिद्वार की संचालिका माता शांति देवी जी आयु 94 वर्ष का गत दिनों निधन हो गया। वह यज्ञ वा सेवा के लिए समर्पित थी। युवा उदघोष की ओर से विनम्र श्रद्धांजलि।

'योग की महत्ता' पर आर्य गोष्ठी सम्पन्न

तनाव व चिंता से मुक्त करता है योग – आचार्या ज्योति आर्या

सोमवार 12 दिसम्बर 2022, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के तत्वावधान में 'योग की महत्ता' विषय पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता आचार्या ज्योति आर्या (जींद) ने कहा कि योग तनाव व चिंता मुक्ति का साधन है।योग जीवन में उन्नति की ओर अग्रसर करता है।योग मन,शरीर व आत्मा को नियंत्रित करता है यह सभी के लिए हितकारी है।यह भौतिक व मानसिक नियंत्रण करके शांति प्रदान करता है।योग का अंतिम लक्ष्य व्यक्ति को स्वयं से ऊपर उठा कर जीवन के लक्ष्य ज्ञानोदय के लिए तयार करना है।व्यक्ति जब सभी इच्छाओं से स्वतन्त्र होकर स्वयं में लीन हो जाता है तभी योगी कहलाता है। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि योग जीवन में सर्वोच्च सुख प्राप्त करने का साधन है। मुख्य अतिथि ईश आर्य (प्रांतीय प्रभारी पतंजलि योग समिति हरियाणा) व अध्यक्ष योगाचार्या रजनी चुघ ने भी योग की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि योग को दैनिक दिनचर्या का अंग बनाकर तन मन से स्वस्थ रहना चाहिए। राष्ट्रीय मंत्री प्रवीण आर्य ने पानी के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आज पानी कम पीने के कारण हमें एसिडिटी,कमर व घुटनों में दर्द रहता है।यदि हम पानी की मात्रा 20 किग्रा प्रति व्यक्ति वजन पर एक लीटर के हिसाब से प्रतिदिन पीएं तो हम उपरोक्त रोग से मुक्त हो सकते हैं,40 किग्रा पर 2 लीटर,100 या उससे कितना भी अधिक हो 5 लीटर पानी अधिकतम मात्रा में सिप सिप कर पीना चाहिए।पानी शरीर में ट्रांसपोर्ट का कार्य करता है,जो कुछ हम खाते हैं उसे आगे धकेलता है।खाने के तुरन्त बाद पानी नहीं पीना है अपितु 45 मिनट बाद पीना है जिससे हमारा पाचन तंत्र सुचारू रूप से काम करेगा और हम स्वस्थ रहेंगे,फेस पर ग्लो रहेगा,ध्यान रहे पानी एल्कालाइन हो और उसका टीडीएस 150 से 250 होना चाहिए। गायिका कौशल्या अरोड़ा, ईश्वर देवी, कमला हंस, कमलेश चांदना, सरला बजाज, ललिता धवन (बंगलौर), जनक अरोड़ा (पानीपत), कुसुम भंडारी आदि के मधुर भजन हुए।

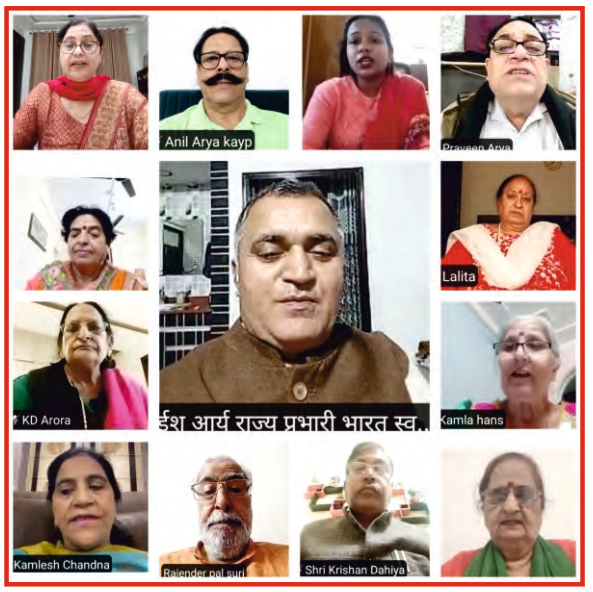

समाजसेवी गीता चौधरी की पुण्य तिथि पर दी श्रद्धांजलि

समाजसेवा के लिए त्याग समर्पण आवश्यक है –राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

गाजियाबाद, रविवार 11 दिसम्बर 2022, गाजियाबाद के सुप्रसिद्ध समाजसेवी चौधरी मंगल सिंह (महामंत्री सेवा सदन) की धर्मपत्नी गीता चौधरी की पुण्य तिथि पर स्मृति दिवस का आयोजन सेवा सदन,सत्यम एनक्लेव जी टी रोड पर किया गया। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने अपने श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए कहा कि समाज सेवा आसान काम नही है इसके लिए स्वयं को तपाना पड़ता है इसके लिए त्याग तपस्या समर्पण आवश्यक है और साथ ही मान अपमान से ऊपर उठना पड़ता है।उन्होंने कहा कि सेवा सदन के माध्यम से चौधरी दंपति ने अपने कार्यों से समाज में एक अलग पहचान बनाई है आज गीता चौधरी की पुण्य तिथि पर हम निस्वार्थ समाज सेवा का संकल्प लें यही सच्ची श्रद्धांजलि होगी।आज चौधरी मंगल सिंह जो काम कर रहे हैं उनमें गीता जी की प्रेरणा व योगदान छुपा हुआ है। आर्य नेता प्रवीण आर्य ने भी कहा कि चौधरी मंगल सिंह सेवा सदन के माध्यम से निर्धन बच्चों को निःशुल्क पढ़ाना,कंप्यूटर ट्रेनिंग, महिलाओं को सिलाई कढ़ाई, मेंहदी के कार्य सीखा कर आत्मनिर्भर करना आदि समाजसेवा के उल्लेखनीय कार्य कर रहे हैं। इस अवसर पर प्रमुख रूप से.पूर्व राज्य मंत्री श्री अतुल गर्ग जी , हरीश नारंग, सुभाष शर्मा ,सुभाष गुप्ता जी, प्रमोद गुप्ता, सतीश गर्ग,इन के सिंघल, महेश चंद शर्मा रजनी गुप्ता, प्रमिला जी, कृष्णेड, अमित तायल ,सुरेश राणा, श्रेयांशी ,नीतू सिंह, रीना शर्मा, कुंती ,संगीत जी डो विवेचना शर्मा, सुनीता जी एम के सेठ . ,चौ मनवीर सिंह,व गुलमोहर से सभी वरिष्ठ नागरिक .. उपस्थित थे जिन्होंने अपने श्रद्धा सुमन अर्पित किए। अंत में चौधरी मंगल सिंह ने संभी का आभार व्यक्त किया।

'गीता की यथार्थता' पर गोष्ठी सम्पन्न

धर्म की रक्षा का सन्देश है गीता – आर्य रविदेव गुप्त

शुक्रवार 30 नवम्बर 2022, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के तत्वावधान में 'गीता की यथार्थता' विषय पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया। यह करोना काल से 474 वां वेबिनार था। वैदिक विद्वान् आर्य रविदेव गुप्त ने कहा कि हमें किसी भी मूल्य पर धर्म की रक्षा करनी चाहिए,यदि हम धर्म की रक्षा करेंगे तो वह हमारी रक्षा करेगा। धर्म की रक्षा के लिए किया गया कोई भी उपाय अधर्म की श्रेणी मे नहीं आता यही श्रीकृष्ण का गीता में संदेश है।उन्होंने कहा कि समस्त ज्ञान का स्रोत वेद है और उपनिषदों द्वारा गुरु शिष्य संवाद के रूप में समझाया गया है व सभी उपनिषदों का सार गीता है। आगामी 3 दिसम्बर को पूरा विश्व गीता जयंती समारोह आयोजित करेगा हमे भी गीता का संदेश जन जन तक पहुंचाना चाहिए। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि गीता व्यक्ति को निष्काम कर्म करने की प्रेरणा देती हैं अतरू हमे अपने जीवन में निरंतर कर्म करते रहना चाहिए क्योंकि पुरुषार्थी व कर्म शील व्यक्ति ही जीवन में सफलता प्राप्त करते हैं। मुख्य अतिथि आर्य नेता आर पी सूरी व अध्यक्ष राजेश मेहदीरता ने भी गीता को जीवन शैली में अपनाने पर जोर दिया। राष्ट्रिय मंत्री प्रवीण आर्य ने कहा कि गीता विश्व की सबसे अधिक भाषाओं में प्रकाशित होने वाला ग्रंथ है। गायक रविन्द्र गुप्ता, कौशल्या अरोड़ा, बी डी गांधी, प्रवीणा ठक्कर,कमला हंस, कमलेश चांदना, ईश्वर देवी,शोभा बत्रा आदि ने मधुर भजन प्रस्तुत किए।

'शिक्षा महर्षि दयानंद की दृष्टि में' गोष्ठी सम्पन्न

शिक्षा से समाज सुधार व कुरीति उन्मूलन सम्भव –आचार्या श्रुति सेतिया

शुक्रवार 2 दिसम्बर 2022,केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में 'शिक्षा महर्षि दयानंद की दृष्टि में' विषय पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया। यह करोना काल में 475 वां वेबीनार था। मुख्य वक्ता आचार्या श्रुति सेतिया ने कहा कि शिक्षा व्यक्ति के जीवन विकास में साधन है शिक्षित व्यक्ति कुरीतियों में नहीं फंसता और समाज सुधार में सहायक होता है।उन्होंने कहा कि महर्षि दयानंद सरस्वती ने शिक्षा पर विशेष बल दिया है कि शिक्षा सभी के लिए अनिवार्य हो।स्वामी जी ने सकारात्मक की झलक देखी और जन–जन में शैक्षिक चेतना का होना आवश्यक माना। उनका विश्वास था कि शिक्षा एक ऐसा शक्तिशाली शस्त्र है जिसके द्वारा समाज में प्रचलित कुरीतियों को अधिक प्रभावशाली ढंग से समाप्त करना संभव है।अतः सुधार आंदोलन में शिक्षा को समाज में पुनरुत्थान का प्रभावशाली अंग बनाया गया। स्वामी दयानंद के विचार शिक्षा के प्रति आदर्शवादी थे।वे शिक्षा को आत्म विकास का साधन मानते थे।उनके अनुसार जिसमें विद्या,सभ्यता,धर्मात्मा बढ़ती होवे,अविद्या दोष छूटे उसको शिक्षा कहते हैं।स्वामी जी विद्या को बहुत अधिक महत्व देते थे। उससे वे सर्वांगीर्ण विकास के लिए आवश्यक मानते थे।विद्या धन सभी धनों से श्रेष्ठ है।स्वामी जी शिक्षा के द्वारा सबका विकास चाहते थे।उन्होंने शिक्षा में शारीरिक,मानसिक तथा नैतिक सभी पक्षों को प्रधानता दी है। स्वामी जी के युग में लोग पौराणिक हिंदू धर्म में अविश्वास उत्पन्न हो जाने और ईसाई धर्म को स्वीकार करते जा रहे थे। स्वामी दयानंद ने लोगों को इस धर्म संकट से बचाने के लिए शिक्षा का उद्देश्य वैदिक धर्म तथा संस्कृति का पुनरुत्थान घोषित किया।उनका विश्वास था कि इस उद्देश्य के अनुसार शिक्षा देने से लोगों को अपने प्राचीन वैदिक धर्म तथा संस्कृति का ज्ञान हो जाएगा।स्वामी जी का मत था कि बालक की मानसिक दृष्टि विकसित करने के लिए माता को 5 वर्ष तथा पिता को 8 वर्ष की आयु तक घर पर ही शिक्षा देनी चाहिए।स्वामी जी बालक के चरित्र निर्माण को शिक्षा का एक उद्देश्य मानते हैं।इस उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए यह आवश्यक है कि माता–पिता तथा गुरुजन सभी चरित्रवान हो।वे सभी अपने उच्च विचारों,आदर्शों तथा उपदेशों के द्वारा बालक के चारित्रिक विकास की ओर ध्यान दें।वे शिक्षा के द्वारा मनुष्य में ऐसी शक्ति के विकास पर बल देते थे जिससे वह समाज सुधार कर सके।स्वामी जी विद्यालय के संबंध में वैदिक आश्रम एवं गुरुकुलो के समर्थक थे।द्विज अपने लड़के एवं लड़की का यथा योग्य संस्कार करके आचार्यकुलम में भेज दें।विद्यालय गांव और नगर से 4 कोस दूर हो।स्वामी जी सह शिक्षा के घोर विरोधी थे। शिक्षा का माध्यम हिंदी तथा पाठ्यक्रम में हिंदी व संस्कृत के साथ–साथ सभी आधुनिक शास्त्रों व विज्ञान को स्थान दिया गया है।स्वामी जी का मानना था कि शिक्षक का चरित्र अत्यंत उच्च कोटि का होना चाहिए।शिक्षक योग्य तथा सर्वगुण संपन्न होना चाहिए।तीसरे समुल्लास में स्वामी जी के अनुसार विद्यार्थी का जीवन राग ,द्वेष से रहित होना चाहिए।स्वामी जी विद्यार्थी के कठोर शारीरिक व मानसिक अनुशासन के पक्ष में थे।लाडन से संतान और शिष्य दोष युक्त तथा ताड़न से गुण युक्त होते हैं।स्वामी जी स्त्री शिक्षा के प्रबल समर्थक थे।स्त्रियों को भी ब्रह्मचर्य और विद्या का ग्रहण अवश्य करना चाहिए।वे धार्मिक शिक्षा की पद्धति पर जोर देते थे।देश को सुदृढ़ व प्रगतिशील बनाने हेतु शिक्षा ही वह माध्यम है जो राष्ट्रीयता की भावना मानव तक पहुंचा सकने में समर्थ है। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि शिक्षा बिना व्यक्ति पशु के समान है शिक्षा से ही निर्णय लेने की क्षमता का विकास होता है। मुख्य अतिथि आर्य नेत्री राज गुलाटी व अध्यक्ष राजश्री यादव ने भी शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला। राष्ट्रीय मंत्री प्रवीन आर्य ने धन्यवाद ज्ञापित किया। गायिका कौशल्या अरोड़ा,ईश्वर देवी,कमला हंस,रजनी गर्ग,उषा सूद,जनक अरोड़ा, नरेन्द्र आर्य सुमन,प्रतिभा खुराना आदि के मधुर भजन हुए।

50 वीं वैवाहिक वर्ष गांठ पर दी बधाई

आर्य समाज टैगोर गार्डन विस्तार दिल्ली के पुरोहित प.सुरेश झा वा शुभ कला की 50 वी वैवाहिक वर्ष गांठ पर बधाई देते राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य,पिंकी आर्या,अशोक आर्य,संदीप आर्य,नरेश मुखी वा राकेश सचदेवा आदि।

ओ३म्

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद्

के तत्वावधान में

गुरूकुल कांगड़ी के संस्थापक, स्वतन्त्रता सेनानी, समाज सुधारक

96 वां स्वामी श्रद्धानन्द बलिदान दिवस

शुक्रवार, 23 दिसम्बर 2022, प्रातः 10:00 से 12:00 बजे तक

स्थान: 14, महादेव रोड, नई दिल्ली-110001

(निकट मैट्रो स्टेशन पटेल चौक)

मुख्य अतिथि:

श्रीमती मीनाक्षी लेखी जी

(केन्द्रीय विदेश राज्य मंत्री, भारत सरकार)

अध्यक्षता – डॉ. अशोक कु चौहान जी

(संस्थापक अध्यक्ष, ऐमिटी शिक्षण संस्थान)

यज्ञ ब्रह्मा – श्रीमती विमलेश बंसल दर्शनाचार्या

मुख्य वक्ता – आचार्य गवेन्द्र शास्त्री जी

गरिमामयी उपस्थिति

श्री आनन्द चौहान
प्रि. अंजू महरोत्रा
श्रीमती निष्ठा भारद्वाज
श्रीमती गायत्री मीना
श्री राजेश मेहन्दीरत्ता
श्री आर.पी. सूरी
श्री प्रेमकुमार सचदेवा
श्री जितेन्द्र डावर
श्री डालेश त्यागी
श्रीमती अनीता कुमार
श्रीमती राधा भारद्वाज
श्री नेत्रपाल आर्य
श्री यशोवीर आर्य
श्री वेद खट्टर
श्री सहदेव नांगिया
श्री योगेन्द्र दनोरिया
श्री सत्यानंद आर्य

ठाकुर विक्रम सिंह
श्री यशपाल आर्य
डॉ. डी. के गर्ग
श्री रवि चड्डा
श्री रमेश गाडी
श्री आदर्श आहूजा
श्री अमरसिंह सहरावत
श्री ज्योति ओबराय
श्रीमती सुषमा पाहुजा
श्री अमरनाथ बत्रा
श्री धर्मपाल परमार
श्री वेद प्रकाश आर्य
श्रीमती विजयारानी शर्मा
श्री एच.एन. मिथरानी
श्री सोहनलाल आर्य
श्री महावीर सिंह आर्य
डॉ. कर्नल विपिन खेड़ा

श्री सुभाष आर्य, पूर्वमं हापौर
श्री सुशील सलवान
श्री रविदेव गुप्ता
श्री ओम सपरा
श्री वी.के. महाजन
श्री नरेन्द्र आर्य सुमन
श्री सुशील बाली
श्री रविन्द्र आर्य
श्री जितेन्द्र खरबंदा
श्री सोनिया संजू
श्री ओमप्रकाश अरोड़ा
श्री महेन्द्र जेतली
श्री मनोज मान
श्री जवाहर भाटिया
श्री भारतभूषण मदान
श्री भारतभूषण धूपड़
श्री राजेन्द्र शर्मा

आप सपरिवार सादर आमंत्रित हैं

निवेदक

अनिल आर्य
राष्ट्रीय अध्यक्ष
9810117464

देवेन्द्र भगत, प्रवीन आर्य
राष्ट्रीय मंत्री
9958889970, 9911404423

अरुण आर्य
माधव सिंह
प्रेस सचिव

सम्पादक: **अनिल कुमार आर्य** द्वारा केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के लिए **मंयक प्रिंटर्स**, 2199/63,नाईवाला, करोलबाग, दिल्ली–5 दूरभाष : 41548503 **मो.**: 9810580474 से मुद्रित व परिषद् कार्यालय आर्य समाज टी–176–177, कबीर बस्ती, दिल्ली–7 से प्रकाशित, **प्रबन्धक** : दिनेश आर्य, मोबाइल : 9911587765, देवेन्द्र भगत, मोबाइल : 09958889970